This Question Paper consists of 51 questions and 12 printed pages.

**अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 12 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।**

**इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।**

**Roll No.**
**अनुक्रमाङ्कः :**
**रोल नं.**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | |

**Code No.** **गूढसंख्या** **कोड नं.** **68/SS/O**

**SET** **A**

# वेदाध्ययनम्

# वेद अध्ययन

# (345)

**Day and Date of Examination :**

**( परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च )**
**( परीक्षा का दिन व दिनांक )** ________________________

**Signature of Invigilators :**

**( निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् )**
**( निरीक्षकों के हस्ताक्षर )**

1. ________________________

2. ________________________

**सामान्य निर्देशाः / सामान्य निर्देश :**

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **68/SS/O-A** नूनं लेख्या।
   अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं. **68/SS/O-A** अवश्य लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

**NOTE :**

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30. p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

---

# वेदाध्ययनम्

# वेद अध्ययन

# (345)

**परीक्षासमयावधिः (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs) ]** **[ पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100**

**परीक्षा का समय : तीन घंटे** **पूर्णाङ्क : 100**

---

**सामान्य निर्देशाः / निर्देश :**

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4** इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में **[A]** भाग में **20**, **[B]** भाग में **15**, **[C]** भाग में **6**, **[D]** भाग में **6**, **[E]** भाग में **4**, कुल मिलाकर **51** प्रश्न शामिल हैं।

(2) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

**सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(3) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्का × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अंक × प्रश्न = पूर्णांक) अंक को सूचित करती है।

(4) **A** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

भाग **A** में प्र.सं. **1** से **20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(5) **B** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग **B** में प्रश्न **21** से **35** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उन्हें निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(6) **C** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **C** में प्रश्न संख्या **36** से **41** तक प्रत्येक दो–दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। निर्देशानुसार उन्हें **30** से **50** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(7) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **D** में प्रश्न संख्या **42** से **47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **50** से **80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(8) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

भाग **E** में प्रश्न संख्या **48** से **51** तक प्रत्येक पांच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **80** से **100** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(9) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

**सभी** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(10) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(11) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर पुस्तिका पर स्व–पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोडकर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(12) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

**सभी** प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(13) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जांचें कि क्या प्रश्नपत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहली पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(14) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।



**Unnati Educations**
**9899436384, 9654279279**

**(A) विंशतिप्रश्नानां (1-20) प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत :** 1x20=20

**निम्नलिखित बीस (1-20) बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :**

**1.** विद्यन्ते धर्मादय: पुरुषार्था: यैस्ते – 1

(क) वेदा: (ख) पुराणानि (ग) इतिहासा: (घ) धर्मशास्त्राणि

धर्म आदि पुरुषार्थ जहाँ (यहाँ) विद्यमान है :

(क) वेदा (ख) पुराण (ग) इतिहास (घ) धर्मशास्त्र

**2.** भैषज्यसूक्तानि सन्ति – 1

(क) अथर्ववेदे (ख) यजुर्वेदे (ग) सामवेदे (घ) ऋग्वेदे

भैषज्य सूक्त हैं :

(क) अथर्ववेद में (ख) यजुर्वेद में (ग) सामवेद में (घ) ऋग्वेद में

**3.** ग्रन्थवाची ब्राह्मणशब्द: कस्मिन् लिङ्गे प्रयुक्तो भवति ? 1

(क) पुलिंङ्गे (ख) स्त्रीलिङ्गे (ग) नपुंसकलिङ्गे (घ) सर्वेषु लिङ्गेषु

ग्रंथवाची में ब्राह्मण शब्द किस लिंग में प्रयुक्त हुआ है ?

(क) पुल्लिंग में (ख) स्त्रीलिंग में (ग) नपुंसकलिंग में (घ) सभी लिंगों में

**4.** किं नाम ब्राह्मणं ब्राह्मणग्रन्थेषु गुरुतमं महत्त्वं च भजते ? 1

(क) ऐतरेयब्राह्मणम् (ख) शतपथब्राह्मणम्

(ग) गोपथब्राह्मणम् (घ) तैत्तिरीयब्राह्मणम्

उस ब्राह्मण का क्या नाम है जो सभी श्रेष्ठ और महत्त्वपूर्ण ब्राह्मणग्रंथों में पूजा जाता है ?

(क) ऐतरेयब्राह्मण (ख) शतपथब्राह्मण

(ग) गोपथब्राह्मण (घ) तैतरीयब्राह्मण

**5.** ब्राह्मणानां मुख्यो विषयोऽस्ति – 1

(क) मन्त्र: (ख) नामधेय: (ग) अर्थवाद: (घ) विधि:

ब्राह्मणों का मुख्य विषय है –

(क) मंत्र (ख) नामधेय (ग) अर्थवाद (घ) विधि

**6.** अग्निष्टोमयागे मण्डपे औदुम्बरस्य शाखाया उच्छ्रयणं क: करोति ? 1

(क) होता (ख) उद्गाता (ग) अध्वर्यु: (घ) ब्रह्मा

अग्निष्टोमयाग मण्डप में औदुम्बर का पाठ कौन करता है ?

(क) होता (ख) उद्गाता (ग) अध्वर्यु: (घ) ब्रह्मा



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

7. औदुम्बरवृक्षस्य देवता का? 1

(क) अग्निः (ख) इन्द्रः (ग) प्रजापतिः (घ) विष्णुः

औदुम्बर वृक्ष का देवता कौन है?

(क) अग्नि (ख) इन्द्र (ग) प्रजापति (घ) विष्णु

8. यज्ञे कस्य विधानं निषिद्धमस्ति? 1

(क) धान्यस्य (ख) तिलस्य (ग) यवस्य (घ) माषस्य

यज्ञ में किसका विधान (अनुष्ठान) वर्जित है?

(क) धान का (ख) तिल का (ग) यव का (जौ) (घ) माँस का

9. 'आरण्यकञ्च वेदेभ्य ओषधिभ्योमृतं यथा' इति उक्तं वर्तते – 1

(क) वेदे (ख) रामायणे (ग) महाभारते (घ) पुराणे

'आरण्यकञ्च वेदेभ्य ओषधिभ्योमृत यथा' यह कथन है।

(क) वेद में (ख) रामायण में (ग) महाभारत में (घ) पुराण में

10. बृहद्देवतायाः निर्माता अस्ति – 1

(क) कालिदासः (ख) पाणिनिः (ग) कात्यायनः (घ) शौनकः

बृहद् देवता का निर्माता (रचयिता) है –

(क) कालिदास (ख) पाणिनि (ग) कात्यायन (घ) शौनक

11. 'धातोः अन्तस्वरस्य उदात्तः' केन सूत्रेण विधीयते? 1

(क) आद्युदात्तश्च (ख) धातोः

(ग) छन्दसि च (घ) अभ्यस्तानामादिः

'धातोः अन्तस्वरस्य उदात्तः' (धातु में अन्त स्वर का उदात्त) किस सूत्र से मिलता है (जाना जाता है)?

(क) आद्युदात्तश्च (ख) धातोः

(ग) छन्दसि च (घ) अभ्यस्तानामादिः

12. 'गोपायतः नः' इत्यत्र स्वरो भवति – 1

(क) गोपायतंन (ख) गोपायत नः (ग) गोपांयत नः (घ) गोपांयंत नः

'गोपायतः नः' यहाँ स्वर होता है –

(क) गोपायते नः (ख) गोपायत नः (ग) गोपांयत नः (घ) गोपांयंत नः

13. उञ्छादिगणे कति गणसूत्राणि सन्ति? 1

(क) दश (ख) नव (ग) अष्टौ (घ) एकादश

उञ्छादिगण में कितने गुणसूत्र हैं?

(क) दस (ख) नौ (ग) आठ (घ) ग्यारह



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

**14.** उपमानशब्दः कदा आद्युदात्तो भवति ? **1**

(क) संज्ञायाम् (ख) सम्बन्धे (ग) उपमाने (घ) सादृश्ये

उपमान शब्द का कब आदि उदात्त होता है ?

(क) संज्ञा में (ख) संबंध में (ग) उपमान में (घ) सादृश्य में

**15.** उच्चैः इत्यत्र कः स्वरो विधीयते ? **1**

(क) आद्युदात्तः (ख) अन्तोदात्तः (ग) सर्वोदात्तः (घ) मध्योदात्तः

'उच्चैः' यहाँ कौन सा स्वर निर्धारित है ?

(क) आदि उदात्त (ख) अन्त उदात्त (ग) सर्व उदात्त (घ) मध्य उदात्त

**16.** घृतादीनां शब्दानाम् कः स्वरो उदात्तो भवति ? **1**

(क) अन्त्यस्वरः (ख) आदिस्वरः

(ग) उभौ (घ) न कस्यापि उदात्तो भवति

'घृतादीनां शब्दानाम्' में कौन सा स्वर उदात्त होता है ?

(क) अन्त का स्वर (ख) आदि स्वर

(ग) दोनों स्वर (घ) कोई भी स्वर उदात्त नहीं होता

**17.** चादयो निपाताः भवन्ति – **1**

(क) अनुदात्ताः (ख) उदात्ताः (ग) स्वरिताः (घ) प्रचयाः

'चादयो निपाताः' होता है :

(क) अनुदात्त (ख) उदात्त (ग) स्वरिता (घ) प्रचया

**18.** तद्धितकित्प्रत्ययान्तस्य कः स्वरो भवति ? **1**

(क) मध्यस्वरितः (ख) आद्युदात्तः (ग) अन्तानुदात्तः (घ) अन्तोदात्तः

'तद्धित कित् प्रत्यय अन्तस्य' (कित् तद्धित प्रत्यय का अन्त) में कौन सा स्वर होता है ?

(क) मध्यस्वर (ख) आदि उदात्त (ग) अन्त उदात्त (घ) अन्त अनुदात्त

**19.** अक्षसूक्तम् ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले वर्तते ? **1**

(क) प्रथममण्डले (ख) द्वितीयमण्डले (ग) दशममण्डले (घ) चतुर्थमण्डले

अक्षसूक्त ऋग्वेद के किस मंडल में है ?

(क) पहले मंडल में (ख) द्वितीय मंडल में (ग) दसवें मंडल में (घ) चतुर्थ मंडल में

**20.** मत्स्यः मनोः क्व अपतत् ? **1**

(क) पादयोः (ख) हस्तयोः (ग) शिरसि (घ) वक्षसि

मनु पर मछली कहाँ गिरी ?

(क) पैरों पर (ख) हाथ पर (ग) सिर पर (घ) छाती पर



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(B) **पञ्चदशप्रश्नानां (21-35) यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत।** 2x15=30

**निर्देशानुसार (21-35) पंद्रह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

**21.** मेलनं कुरु : 2

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | दिवसानां देवता भवति – | (क) | मित्र: |
| | | (ख) | वरुण: |
| (ii) | निशानां देवता अस्ति – | (ग) | इन्द्र: |
| | | (घ) | वरुण: |

मिलान करें :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | दिन का देवता है | (क) | मित्र |
| | | (ख) | वरुण |
| (ii) | रात्रि का देवता है | (ग) | इन्द्र |
| | | (घ) | वरुण |

**22.** मेलनं कुरु : 2

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | धातो: अन्तस्य उदात्तो भवति – | (क) | हल: |
| | | (ख) | अच: |
| (ii) | स्वपादिहिंसामच्यनिटि इति सूत्रं भवति – | (ग) | विधिसूत्रम् |
| | | (घ) | परिभाषासूत्रम् |

मिलान करें :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | 'धातो:' में अन्त का उदात्त होता है | (क) | हल: |
| | | (ख) | अच: |
| (ii) | 'स्वपादिहिंसामाच्य निटि' यह सूत्र है | (ग) | विधिसूत्र |
| | | (घ) | परिभाषासूत्र |

**23.** मेलनं कुरु : 2

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | हिंस्–धातु: भवति – | (क) | रुधादिगणीय: |
| | | (ख) | चुरादिगणीय: |
| (ii) | ञिदन्तस्य निदन्तस्य च स्वरो भवति – | (ग) | आद्युदात्त: |
| | | (घ) | अन्तोदात्त: |

मिलान करें :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | 'हिंस' धातु है | (क) | रुधादिगणीय |
| | | (ख) | चुरादिगणीय |
| (ii) | 'ञिदन्तस्य निदन्तस्य च' स्वर होता है | (ग) | आदि उदात्त |
| | | (घ) | अन्त उदात्त |



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

**24.** मेलनं कुरु : **2**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (अ) (i) | युष्मदस्मदो: स्वरो भवति – | (क) | अन्तोदात्त: |
| | | (ख) | आदिरुदात्त: |
| (ii) | नावं विना यत्प्रत्ययान्तस्य् द्व्यच: स्वरो भवति – | (ग) | आदि: उदात्त: |
| | | (घ) | अन्तोदात्त: |

**अथवा**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ब) (i) | बलि: इत्यत्र आद्युदात्तविधायकं सूत्रं भवति – | (क) | अथादि: प्राक् शकटे: |
| | | (ख) | ह्रस्वान्तस्य स्त्रीविषयस्य |
| (ii) | तिला: इत्यत्र आद्युदात्तविधायकं सूत्रं भवति – | (ग) | तृणधान्यानां च द्व्यषाम् |
| | | (घ) | ह्रस्वान्तस्य स्त्रीविषयस्य |

मिलान करें :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (अ) (i) | युष्मद् अस्मद् स्वर होता है | (क) | अन्त उदात्त |
| | | (ख) | आदिरुदात्त |
| (ii) | 'नावं विना यत्प्रत्ययान्तस्य् द्व्यच:' स्वर होता है | (ग) | आदि उदात्त |
| | | (घ) | अन्त उदात्त |

**अथवा**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (ब) (i) | 'बलि:' यहाँ आदि उदात्त सूत्र है | (क) | अथादि: प्राक् शकटे: |
| | | (ख) | ह्रस्वान्तस्य स्त्रीविषयस्य |
| (ii) | 'तिला:' यहाँ आदि उदात्त विधायक सूत्र है | (ग) | तृणधान्यानां च द्व्यषाम् |
| | | (घ) | ह्रस्वान्तस्य स्त्रीविषयस्य |

**25.** मेलनं कुरु : **2**

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | निपाता आद्युदात्ता: इत्यनेन विहितं कार्यं भवति – | (क) | वेदे |
| | | (ख) | लोके वेदे च |
| (ii) | एवादय: अन्तोदात्ता: भवन्ति – | (ग) | निपाता आद्युदात्ता: |
| | | (घ) | एवादीनामन्त: |

मिलान करें :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | निपात आदि उदात्त से बताए गए कार्य होते हैं | (क) | वेद में |
| | | (ख) | लोक और वेद में |
| (ii) | 'एवादय:' अन्त का उदात्त होता है | (ग) | निपाता आदि उदात्त |
| | | (घ) | एवादीनाम् अन्त |


Unnati Educations
9899436384, 9654279279

26. मेलनं कुरु : 2

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | विस्पष्टादीनि गुणवचनेषु | (क) | विधिसूत्रम् |
| | | (ख) | अधिकारसूत्रम् |
| (ii) | बह्वन्यतरस्याम् इति सूत्रस्य प्रवृत्तिः | (ग) | द्विगौ समासे |
| | | (घ) | द्वन्द्वे समासे |

मिलान करें :

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | 'विस्पष्टादीनि गुणवचनेषु' है | (क) | विधिसूत्र |
| | | (ख) | अधिकारसूत्र |
| (ii) | 'बह्वन्यतरस्याम्' इस सूत्र की प्रवृत्ति है | (ग) | द्विगु समास में |
| | | (घ) | द्वंद्व समास में |

**निर्देशः-निम्नलिखितवाक्यानि पठित्वा सत्यम् असत्यं च चिनोतु।**
**निम्नलिखित वाक्य पढ़कर सत्य/असत्य का चयन करें।**

27. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु। 2

(अ) ईले इत्यत्र सर्वानुदात्तः। (सत्यम् / असत्यम्)

(ब) अश्धातोः लेट्-प्रथमपुरुषैकवचने अश्नवत् इति रूपं जायते। (सत्यम् / असत्यम्)

(स) देवेभिः इति रूपं भवति लौकिकम्। (सत्यम् / असत्यम्)

किन्हीं दो वाक्यों का उत्तर दीजिए।

(अ) ई ले यहाँ सभी अनुदात्त हैं। (सत्य/असत्य)

(ब) 'अश्' धातु का लेट् में प्रथम पुरुष एकवचन में 'अश्नवत्' रूप होता है। (सत्य/असत्य)

(स) 'देवेभिः' यह रूप लौकिक होता है। (सत्य/असत्य)

28. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु। 2

(अ) अक्षसूक्तस्य सप्तममन्त्रस्य छन्दो भवति जगती। (सत्यम् / असत्यम्)

(ब) अक्षासः इति रूपं भवति लौकिकम्। (सत्यम् / असत्यम्)

(स) रम्-धातोः लोटि मध्यमपुरुषैकवचने रमस्व इति रूपं जायते। (सत्यम् / असत्यम्)

किन्हीं दो वाक्यों का उत्तर दीजिए।

(अ) अक्षसूक्त का सातवाँ मंत्र 'जगती' हैं। (सत्य/असत्य)

(ब) 'अक्षासः' यह रूप लौकिक होता है। (सत्य/असत्य)

(स) 'रम्' धातु का लोटि में मध्यपुरुष एकवचन में 'रमस्व' रूप होता है। (सत्य/असत्य)

29. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु। 2

(अ) संस्कृतं भवति वेदवाणी देववाणी च। (सत्यम् / असत्यम्)

(ब) वेदः इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोः लौकिकमुपायं वेदयति। (सत्यम् / असत्यम्)

(स) माध्यन्दिनशाखा भवति कृष्णयजुर्वेदीया। (सत्यम् / असत्यम्)

किन्हीं दो वाक्यों का उत्तर दीजिए।

(अ) संस्कृत वेदवाणी और देववाणी है। (सत्य/असत्य)

(ब) वेद वांछित को प्राप्त करने और अवांछित से बचने के लौकिक उपाय सिखाते हैं। (सत्य/असत्य)

(स) माध्यन्दिन शाखा कृष्ण यजुर्वेद की है। (सत्य/असत्य)



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

30. कस्यापि वाक्यद्वयस्य उत्तरं ददातु। 2

(अ) शिवसङ्कल्पसूक्तस्य देवता भवति मनः। (सत्यम् / असत्यम्)

(ब) मनसि ऋचः सामानि यजूंषि च चक्रनाभौ अराः इव विद्यन्ते। (सत्यम् / असत्यम्)

(स) प्रजापतिसूक्तस्य ब्रह्मयज्ञजपे विनियोगो भवति। (सत्यम् / असत्यम्)

किन्हीं दो वाक्यों का उत्तर दीजिए।

(अ) शिव संकल्प सूत्र का देवता मन होता है। (सत्य/असत्य)

(ब) मन में ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद चक्रनाभि में विद्यमान अरा के समान विद्यमान है। (सत्य/असत्य)

(स) प्रजापति सूक्त का ब्रह्मयज्ञ जप में विनियोग (प्रयोग) होता है। (सत्य/असत्य)

31. (अ) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः षोडशाध्यायो रुद्राध्यायी नाम्ना प्रसिद्धः। (सत्यम् / असत्यम्) 2

(ब) स्वर्गस्य मुख्यो वैद्यो भवति रुद्रः। (सत्यम् / असत्यम्)

(अ) शुक्ल यजुर्वेदसंहितां का सोलहवां अध्याय रुद्र अध्यायी के नाम से प्रसिद्ध है। (सत्य/असत्य)

(ब) स्वर्ग का प्रमुख वैद्य रुद्र है। (सत्य/असत्य)

32. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत। 2

(अ) यस्यां _________ उत सिन्धुरापो।

(ब) येनेदं _________ भविष्यत्परिगृहीतममृतेन सर्वम्।

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :

(अ) यस्यां _________ उत सिन्धुरापों।

(ब) येनेदं _________ भविष्यत् परिगहीतम् अमृतेन सर्वम्।

33. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत। 2

(अ) सभामेति कितवः पृच्छमानो _________ तन्वाइशूशुजानः।

(ब) सर्वे _________ जज्ञिरे विद्युतः पुरुषादधि।

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :

(अ) सभामेति कितवः पृच्छमानो _________ तन्वाइशूशुजानः।

(ब) सर्वे _________ जज्ञिरे विद्युतः पुरुषादधि।

34. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत। 2

(अ) नमस्ते रुद्र _________ उतो तऽइषवे नमः।

(ब) नमोऽस्तु _________ सहस्राक्षाय मीढुषे।

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) नमस्ते रुद्र _________ उतो तऽइषवे नमः।

(ब) नमोस्तु _________ सहस्राक्षाय मीढुषे।



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

35. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत। 2

(अ) अग्निना रयिमश्नवत्पोषमेव ________ ।

(ब) स होवाच। यावद्वै ________ भवामो बह्वी वै नस्तावन्नाष्ट्रा भवति।

उचित पद से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

(अ) अग्निना रयिमश्नवत्पोषमेव ________ ।

(ब) स होवाच। यावद्वै ________ भवामो बह्वी वै नस्तावन्नाष्ट्रा भवति।

**(C) षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत।** **2x6=12**

**छहों प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।**

36. रहस्यब्राह्मणं किम्? 2

**अथवा**

महाभारते आरण्यकविषये किमुक्तम्?

रहस्य ब्राह्मण क्या है?

**अथवा**

आरण्यक के विषय में महाभारत में क्या कहा गया है?

37. तैत्तिरीयारण्यके कति प्रपाठकाः सन्ति? तेषां नामानि लिखत। 2

**अथवा**

ऋग्वेदस्य कति आरण्यकानि सन्ति? तेषां नामानि लिखत।

तैत्तिरीय आरण्यक में कितने अध्याय हैं? उनके नाम लिखिए।

**अथवा**

ऋग्वेद में कितने आरण्यक हैं? उनके नाम लिखिए।

38. गोष्ठजस्य ब्राह्मणनामधेयस्य इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत। 2

'गोष्ठजस्य ब्राह्मणनामधेयस्य' इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

39. चादीनां स्वरविधायकं सूत्रं लिखत। 2

'चादीनां स्वर विधायक' सूत्र लिखिए।

40. अग्निदेवस्य विशेषणानि लिखत। 2

अग्निदेव के विशेषण लिखिए।

41. अक्षाः किं किं कुर्वन्ति? 2

अक्षा क्या-क्या करती हैं?



Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(D) **षट् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त।** 3x6=18
**छह लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

**42.** केनोपनिषदमाश्रित्य टीकां लिखत। 3
कौन उपनिषदों पर आधारित भाष्य (टीका) लिखेगा?

**43.** विस्पष्टादीनि गुणवचनेषु इति सूत्रं कुमारश्च इति सूत्रं वा समासेन व्याख्यात। 3
'विस्पष्टादीनि गुणवचनेषु' अथवा 'कुमारश्च' सूत्र की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

**44.** कतरकठः इत्यत्र स्वरनिर्देशं कुरुत। 3
कतरकठः में स्वरों को इंगित करें।

**45.** चादिषु च इत्यस्य चादिलोपे विभाषा इत्यस्य सूत्रस्य वा अर्थम् उदाहरणं च लिखत। 3
'चादिषु च इत्यस्य चादिलोपे विभाषा' इस सूत्र का अर्थ व उदाहरण लिखिए।

**46.** अग्ने यम् इति मन्त्रम् अथवा जाया तप्यते इति मन्त्रं पूरयित्वा अर्थं लिखत। 3
'अग्ने यम् इति मन्त्रम्' अथवा 'जाया तप्यते' मंत्र को पूरा लिखकर अर्थ भी लिखिए।

**47.** पृथिवीसूक्तस्य क ऋषिः, का देवता, पाठगताः मन्त्राश्च कति सन्ति? 3
पृथ्वी सूक्त के पाठ में कौन ऋषि और देवता हैं? और मंत्र कितने हैं?

(E) **चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः।** 5x4=20
**चार दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**48.** निरुक्तशास्त्रस्य अथवा छन्दः शास्त्रस्य उपयोगितां वर्णयत। 5
निरुक्तशास्त्र अथवा छन्दः शास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

**49.** गतिरनन्तरः इति सूत्रस्य अथवा तृतीया कर्मणि इति सूत्रस्य व्याख्यां लिखत। 5
'गतिरनन्तरः' अथवा 'तृतीया कर्मणि' सूत्र की व्याख्या लिखिए।

**50.** यस्यामापः परिचराः समानी इत्यस्य मन्त्रस्य अर्थं लिखत। 5
'यस्यामापः परिचराः समानी' इस मंत्र का अर्थ लिखिए।

**51.** मत्स्य एव मत्स्यं गिलति इत्यस्य तात्पर्यं लिखत। 5
'मछली ही मछली को निगलती है' का तात्पर्य लिखें।

- o O o -



Unnati Educations
9899436384, 9654279279